दलितों व शोषितों का पाक्षिक पत्र
विज्ञापन के लिए केन्द्रीय सरकार व राज्यों द्वारा स्वीकृत

हमायती

सम्पादक–डॉ0 सोहनपाल सुमनाक्षर

❑ *वर्ष 62* ❑ *अंक-6* ❑ *दिल्ली* ❑ *दिसम्बर (द्वितीय) 2023* ❑ *मूल्य : 2 रु.*

39वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन

ऐतिहासिक, अपूर्व, शानदार और सफल सम्मेलन रहा

भारतीय दलित साहित्य अकादमी का 39वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन पंचशील आश्रम, झडौदा गांव (बुराड़ी बाई–पास), आऊटर रिंग रोड, दिल्ली में 10-11 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किया गया। इस द्विदिवसीय सम्मेलन में देश–विदेश के सभी भाषाओं के दलितोत्थान में जुटे दलित साहित्यकार, पत्रकार, लेखक, सम्पादक आदि ने भाग लेकर दलितोत्थान सम्बन्धी विषयों पर विचार–विमर्श किया।

इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे डा. सत्य नारायण जटिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, श्री रमेश चन्द्र रत्न, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट व पूर्व चेयरमैन पी.एस. सी कमेटी, रेल मंत्रालय, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री नारायण सिंह केसरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री संघप्रिय गौतम ने सम्मेलन में अध्यक्षता की। सम्मेलन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में सहभागिता करने वालों में प्रमुख थे– नेपाल की राजपरिषद के माननीय सदस्य श्री उत्तम कुमार परियार, नेपाल दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री युवराज बी.के., अकादमी की साउथ इंडिया स्टेट्स कमेटी के अध्यक्ष प्रो. पी. विष्णुमूर्ति, संगठनमंत्री डा. जितेन्द्र मनु, अकादमी के नेशनल कोओर्डिनेटर श्री सुभाष कानड़े, अकादमी की नार्थ इंडिया स्टेट्स कमेटी के अध्यक्ष श्री ब्रिजलाल रबिदास, गुरू घासीदास शोध संस्थान, छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष डा. जे.आर. सोनी, लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) कालीचरन स्नेही, दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) श्यौराज सिंह 'बेचैन' एवं सर्वशक्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नीरज सेठी।

सम्मेलन के पहले दिवस के कार्यक्रम को **'सम्मान दिवस'** का नाम दिया गया था। इस दिन के कार्यक्रम में दलितोत्थान के क्षेत्र में विशिष्ठ कार्यों के लिए साहित्यकारों, कलाकारों और समाज सेवियों को बाबा साहब डा. अम्बेडकर, महात्मा जोतिबा फुले, वीरांगना सावित्री बाई फुले, माता रमाबाई अम्बेडकर, भगवान बुद्ध के नाम पर स्थापित राष्ट्रीय अवार्डों से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सामाजिक समता के विशेष कार्यों के लिए महर्षि वाल्मीकि, गुरु रविदास, सद्गुरु कबीरदास, गुरु घासीदास आदि के नामों पर स्थापित राष्ट्रीय अवार्ड भी प्रदान किये गये।

दलित साहित्य के माध्यम से दलितोत्थान कार्यों में संलग्न महानुभावों को डा. अम्बेडकर फेलेशिप सम्मान, मा. जोतिबा फुले फेलोशिप सम्मान, वीरांगना सावित्रीबाई फुले सम्मान व भगवान बुद्ध सम्मान से अलंकृत किया गया।

सम्मेलन के अगले दिन 11 दिसम्बर, 2023 के दिन के कार्यक्रम को **'अधिकार दिवस'** का नाम दिया गया। इस दिन दलितों की समस्याओं– भेदभाव, उत्पीड़न, अन्याय, अत्याचार, अपमान, असमानता आदि पर खुलकर विचार–विमर्श किया गया। इसके अलावा दलितों के संवैधानिक मौलिक अधिकार, शासन–प्रशासन व सत्ता व सम्पदा में बराबर की हिस्सेदारी प्राप्ति के लिए विचार–विमर्श किया गया। सम्मेलन के समापन पर पारित प्रस्तावों पर विचार करने के बाद इन प्रस्तावों को सम्बन्धित विभागों व सरकारों को उचित कार्रवाई करने के लिए भेजे जाने का निर्णय लिया गया।

इस 39वें सम्मेलन में नेपाल दलित साहित्य अकादमी के महामंत्री युवराज विश्वकर्मा तथा नेपाल की रायल परिषद् के सदस्य मा. उत्तम कुमार परियार के नेतृत्व में 25 लोगों के शिष्टमंडल ने भाग लेकर सम्मेलन की शोभा बढ़ाई।

भारत सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री डा. सत्य नारायण जटिया ने भारतीय दलित साहित्य अकादमी के इस 39वें राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन का भगवान बुद्ध व बाबा साहब डा. अम्बेडकर जी के मूर्तियों पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित करके विधिवत उद्घाटन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व केन्द्रीय मंत्री मा० संघप्रिय गौतम ने की। उन्होंने बाबा साहब डा. अम्बेडकर के साथ बीते दिनों के संस्मरण सुनाकर प्रतिनिधियों को मंत्र–मुग्ध कर दिया।

अकादमी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. जय सुमनाक्षर ने पुष्पगुच्छा प्रदान कर इन सभी अतिथियों का स्वागत किया। बुद्ध वन्दना व भीम वन्दना करने के बाद सम्मेलन का विधिवत प्रारम्भ हुआ।

सम्मेलन का शुभारम्भ भारतीय दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सम्पादकीय

39वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न

भारतीय दलित साहित्य अकादमी का 10-11 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित द्विदिवसीय 39वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में देश–विदेश से दलित–साहित्यकार, दलित पत्रकार, दलित कलाकार, दलित साहित्यकार व समाजसेवियों ने सहभागिता करके सम्मेलन की शोभा बढ़ाई।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे देश–विदेश के प्रतिनिधियों का भारतीय दलित साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने देश की राजधानी दिल्ली में जोरदार स्वागत करते हुए उनके सम्मेलन में लाखों बाधाओं की परवाह न करके सम्मेलन में पधारने पर सराहना की और अकादमी के प्रति उनकी निष्ठा, लगन और प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अपना स्वागत भाषण प्रारम्भ करते हुए अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने कहा कि गुरू गोविन्द सिंह जी ने राजसत्ता के विषय में कहा है–

कोई किसी को राज ना देहि।
जो ले वे वो निज बल से लेई।।

हमारा निजी बल क्या है? आप सब हमारी ताकत हैं–अकादमी की ताकत हैं, और इस ताकत रूपी निजी बल के आधार पर हम अपनी खोई हुई सत्ता, सम्पदा व अपने गौरवमयी इतिहास को दुबारा पा सकते हैं। यह सब अकादमी ने अपने गत 38 राष्ट्रीय सम्मेलन से दर्शाया है जहां एक ही मंच पर सभी दलों के नेता आकर उद्‌बोधन करते हैं और वहीं इन सम्मेलनों में लाखों प्रतिनिधि अपने प्रदेश, वर्ण, जाति की पहचान छोड़कर इकट्‌ठे होते हैं और अपनी सामाजिक विषमताओं को मिटाने का संकल्प लेते हैं। यही आपका बल है जिस बल के आधार पर अब कोई तुम्हें छल नहीं सकेगा, दबा नहीं सकेगा और न ही अब कोई दमन व शोषण कर सकेगा।

आप सदैव भारतीय दलित साहित्य अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाने में अग्रसर रहे हैं। आज भी उसी अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाने और अपने महापुरुषों के अधूरे स्वप्न को साकार करने के लिए जो आप अदम्य साहस के साथ इस सम्मेलन में पधारे हैं, उसके लिए हम आपके आभारी हैं। आपकी इस कर्मठता का स्वागत है।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी पिछले 38 सालों में देश और विदेश में दलित साहित्य के माध्यम से भगवान बुद्ध, गुरु रविदास, महात्मा जोतीबा फुले, स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर, बाबा साहब डा. अम्बेडकर, बाबू जगजीवन के सामाजिक समता के सन्देश को फैलाने में सफल हुई है और वह अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए निरन्तर आगे बढ़ रही है।

भगवान बुद्ध ने 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' एवं 'अत्तो दीपो भवं' का सन्देश दिया था। वहीं संतशिरोमणि गुरु रविदास ने समता का सन्देश देते हुए कहा था–**''ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिले सबन को अन्न। छोटे बड़े सब सम बसैं, रविदास रहे प्रसन्न।''** महात्मा जोतिबा फुले ने सामाजिक विषमता, का मुख्य कारण अविद्या को बताते हुए कहा–**'विद्या बिना गति गई। गति बिना नीति गई। नीति बिन मति गई, बिना मति के वित्त गया। बिन विद्या के सर्वनाश हुआ। हम दूसरों के गुलाम बने।'**

बाबा साहब डा. अम्बेडकर ने सामाजिक विषमता और वर्ण व्यवस्था से छुटकारा पाने के लिए दलितों का आह्‌वान किया था–**''शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो।''** उन्होंने दलितों को उनके समता के अधिकारों से अवगत कराते हुए उन अधिकारों को पाने के लिए संघर्ष का मार्ग प्रशस्त किया था। बाबू जगजीवन राम जी ने भी अपने राजनीतिक सामाजिक जीवन में समता का सन्देश देते हुए आजीवन इसके लिए कार्य किया।

भगवान बुद्ध के **'बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय' तथा 'अत्तो दीपो**

(शेष पृष्ठ 3 पर)

भारतीय दलित साहित्य अकादमी प्रकाशन

विश्व धरातल पर दलित साहित्य	डॉ. सुमनाक्षर	50/-
अंधा समाज और बहरे लोग	डॉ. सुमनाक्षर	60/-
सिन्धु घाटी बोल उठी	डॉ. सुमनाक्षर	50/-
अब नहीं रहेंगे हाशिये पर	डॉ. सुमनाक्षर	80/-
अम्बेडकर शतक	डॉ. सुमनाक्षर	50/-
विश्व विभूति डा. अम्बेडकर	डॉ. सुमनाक्षर	50/-
दलित लेखक परिचय ग्रंथ (अंग्रेजी)	डॉ. सुमनाक्षर	250/-
बुद्धा दू अम्बेडकर (अंग्रेजी)	डॉ. सुमनाक्षर	150/-
दलित साहित्य	डॉ. सुमनाक्षर	100/-
अम्बेडकर दर्शन	डॉ. सुमनाक्षर	40/-
हमारे संत और समाज सुधारक	डॉ. सुमनाक्षर	60/-
धर्म और समाज	डॉ. सुमनाक्षर	40/-
आदिम जाति चमार (इतिहास, धर्म, संस्कृति)	डॉ. सुमनाक्षर	300/-
दलित उद्‌घोष	डा. सुमनाक्षर	80/-
दलित साहित्य की हुंकार-सात समन्दर पार	डॉ. सुमनाक्षर	100/-
युगपुरुष बाबू जगजीवनराम	डॉ. सुमनाक्षर	200/-
प्राचीन आदिम जाति वाल्मीकि (इतिहास, धर्म, संस्कृति)	डॉ. सुमनाक्षर	100/-
सभ्यता, संस्कृति, समाज और साहित्य	आचार्य गुरुप्रसाद	100/-
डा. अम्बेडकर भजनावली	राजमल 'राज'	25/-
भारत रत्न डा. बी.आर. अम्बेडकर	राजमल 'राज'	25/-
मूल भारती से दलित	राजमल 'राज'	50/-
अम्बेडकरवाद बनाम सामाजिक परिवर्तन	राजमल 'राज'	80/-
दलित साहित्य–दशा और दिशा	डा. माता प्रसाद	200/-
दलित साहित्य से सामाजिक परिवर्तन	डा. माता प्रसाद	100/-
भारत की गुलामी के 22 सौ साल	प्रदीप कुमार मौर्य	250/-
सृजन के कण	जीपी पचौरिया 'दीप'	150/-
बौद्ध धर्म–गया से अयोध्या तक	प्रदीप कुमार मौर्य	120/-
गांधी, अम्बेडकर और दलित	प्रदीप कुमार मौर्य	100/-
हम एक हैं	डा. माता प्रसाद	60/-
रैदास से संत शिरोमणि गुरु रविदास	डा. माता प्रसाद	50/-
ताकि सनद रहे	डा. सुमनाक्षर	100/-
Who's who Dalit Writers in India	Dr. Sumanakshar	500/-
Who's Who–International & National Awardees of B.D.S.A.	Dr. Sumanakshar	500/-

पुस्तक मंगाने के लिए मनीआर्डर से राशि अग्रिम भेजें, व्यवस्थापक

दलित साहित्य सेन्टर
(भारतीय दलित साहित्य अकादमी)
बी-3/9, दूसरी मंजिल, माडल टाउन-1, दिल्ली-9
फोन : 27421449, मो. 9810278936, 9891989175

सम्पादकीय का शेष ...39वां राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन : सफलता के साथ सम्पन्न

भव' के उद्‌बोधन को अपना आदर्श व आप्त वाक्य मानकर भारतीय दलित साहित्य अकादमी 1984 से देश में जन चेतना का कार्यक्रम लेकर आगे बढ़ रही है। गत 38 वर्षों में अकादमी का 'नेटवर्क' भारत के सभी राज्यों की सीमा लांघकर विदेशों तक फैल चुका है।

दक्षिण भारत के 7 राज्यों और पूर्वोत्तर भारत के 8 राज्यों में अकादमी की शाखाओं ने दलितों को एकजुट करके एक सशक्त कड़ी बनाई है जिससे दलित अपने अधिकारों के प्रति सजग तो हुए ही हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए भी संघर्षरत हैं।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी ने गत 38 वर्षों में दलित साहित्य के माध्यम से देश में एक नई वैचारिक क्रान्ति पैदा की है। दलित एक दूसरे को जानने लगे हैं और अकादमी के मंच पर आकर एक–दूसरे की समस्या को पहचानने भी लगे हैं और उन समस्याओं के निवारण के लिए विचार–विमर्श करके उनका हल ढूंढ़ने लगे हैं। अकादमी ने 'दलित साहित्य' को जन्म दिया, कॉलेज– विश्वविद्यालयों में स्थापित किया, दलित लेखकों को प्रोत्साहित किया और दलित साहित्यकार के रूप में उन्हें सम्मानित करके समाज में यथोचित सम्मान देकर मार्गदर्शन किया।

आज विश्वविद्यालय व कॉलेज के पुस्तकालय दलित साहित्य से भरे पड़े हैं, दलित साहित्य पाठ्यक्रम शिक्षण संस्थाओं में पढ़ाया जा रहा है, उस पर शोध करवाकर पीएच.डी., डी.लिट्, एम.फिल की उपाधियों से शोधार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। प्रकाशक दलित साहित्य प्रकाशन के लिए दलित लेखक व साहित्यकारों को यथोचित मानदेय देकर दलित साहित्य लिखवा रहे हैं, देश में आज दलित साहित्य की तीव्र मांग है। यह सब भारतीय दलित साहित्य अकादमी के 38 सालों का प्रयास का फल है।

आज बुद्ध के सामने मनु को नकार दिया गया है। संत गुरु रविदास व सद्‌गुरु कबीर के सामने ब्राह्मणवाद नतमस्तक है। महात्मा जोतिबा फुले, स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर' के सामने मनुस्मृति की विषमता भरी वर्ण व्यवस्था चूर–चूर हुई नजर आ रही है। भारतरत्न बाबा साहब डा. अम्बेडकर तथा बाबू जगजीवन राम के समता का सन्देश ने सदियों से सोये हुए दलितों को झकझोर कर जगाकर खड़ा कर दिया है। वीरांगना झलकारीबाई और वीरांगना सावित्रीबाई फुले के पराक्रम, साहस व वीरता के सामने उच्च वर्णीय महिलायें पानी भरती नजर आती हैं। यह सब अकादमी की खोज का परिणाम है। इसके पीछे भारतीय दलित साहित्य अकादमी का गत 38 सालों का परिश्रम, लगन, निष्ठा है जो अकादमी ने सदियों से मूक, अछूत, दलित, शोषित लोगों को मंच दिया, जुबान दी, विचार दिए, दिशा दी, कलम दी, लेखन के लिए प्रेरित किया, मान–सम्मान दिया और देश–विदेश में प्रख्यात किया। यह अकादमी का साकार परिणाम है। भारतीय दलित साहित्य अकादमी ने ही 5 हजार साल पुरानी सिंधु घाटी की सभ्यता की खोज कर वहां स्थित भव्य, आलीशान सर्वोत्तम भवन कला के नमूने मोहन जोदड़ो, हड़प्पा, लोथल, धोलवीरा, पीली बंगा, काली बंगा शहरों की संस्कृति को उजागर किया। दलित साहित्य, दलित कला, दलित संस्कृति, दलित वीर–वीरांगना, दलित संत, महात्मा, महापुरुष का जो मान–सम्मान आज आर्य संस्कृति के लोग कर रहे हैं, वे भी यह मानने लगे हैं कि दलित (द्रविड़) ही इस देश के मूल निवासी थे जिन्हें धोखे और षड्‌यंत्रपूर्वक सिन्धु घाटी से दक्षिण भारत की ओर धकेल दिया गया। आर्यों के इस छल, कपट को दलित साहित्य ने ही उजागर कर द्रविड़ व उनकी भाषा तमिल, तेलगू, मलयालम व कन्नड़ को यथोचित सम्मान दिया।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी को देश–विदेश में आगे बढ़ाने में दलित समाज के महापुरुषों का सदेव योगदान रहा है। ऐसे महापुरुषों में भू.पू. राज्यपाल डा. माताप्रसाद, डा. सूरजभान, बाबू परमानन्द, डा. ए. पद्‌मानाभन, चौ. चांदराम का सदैव आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता रहा है। इसके अलावा अन्य सैकड़ों ऐसे दलित साहित्यकार दलित कलाकार, दलित समाजसेवी हैं जिन्होंने दलित साहित्य आन्दोलन को आगे बढ़ाने में अपना धन–मन–धन से योगदान दिया। आचार्य गुरुप्रसाद, श्री किशोर भाई, श्री प्रेमचन्द आर्य, डा. अवन्तिका मरमट डा. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी, डा. नवल वियोगी, डा. महावीर दास, श्री ए.एल. मजूमदार, श्री बी.बी. सिंह लोहार, श्री ताराचन्द पिपल, प्रो. रमेश कुमार डीगवाल, श्री निरत राम राखा, श्री रतनचन्द रोझे व श्रीमती गीता रूचाल, श्रीमती त्रिलोचन सुमनाक्षर आदि ऐसे हस्तियां हैं जिन्होंने अपनी अन्तिम सांस तक अकादमी के कारवां को आगे बढ़ाया। श्री टी.आर. विश्वकर्मा (नेपाल) और चौ. दुलीचन्द, स्वतंत्रता सेनानी, दोनों ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अकादमी के सम्मेलन में सहभागिता करते हुए हमसे विदा ली। इनके अलावा भी पर्दे के पीछे अन्य और लोग भी कार्यरत रहे है जिनके अथक परिश्रम के कारण अकादमी द्वारा प्रतिपादित दलित साहित्य वैश्विक साहित्य बना।

गत 4 वर्ष से 6 अक्तूबर को अकादमी की सभी प्रदेश व जिला शाखा **'दलित साहित्य दिवस'** का आयोजन करती आ रही है। यह दलित साहित्य में एक नई परम्परा शुरू हुई है। मैं भारतीय दलित साहित्य अकादमी की ओर से उन सबका स्मरण करते हुए उनके योगदान, आशीर्वाद, मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों, अभी हमें और आगे जाना है। हमें सामाजिक विषमताओं को खत्म कर के समता के मानवीय अधिकारों को हासिल करना है। हम रहें, न रहें, अकादमी का समता का कारवां आपके सहयोग से निरन्तर आगे बढ़ता रहेगा। ऐसी आशा करता हूं कि इस साहित्यिक महायज्ञ में आपकी आहुति निरन्तर मिलती रहेगी।

साथियो, हम तो निकले थे
यूं ही निशाने मंजिल,
लोग जुड़ते गये और
कारवां बनता गया।

अकादमी का यह कारवां अकादमी की सक्रियता, लगन व निष्ठा का प्रतिफल है और इस श्रेय के आप भी बराबर के भागीदार हैं। निष्ठा, लगन और सक्रियता से आप यूं ही आगे बढ़ते रहें, इसी आशा के साथ–जय भीम, जय भारत, जय संविधान, जय भारतीय दलित साहित्य अकादमी।

– डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी

पृष्ठ 1 का शेष....ऐतिहासिक, अपूर्व, शानदार एवं सफल सम्मेलन रहा

अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सम्मेलन में पधारे देश–विदेश के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय सहभागिता से ही आज दलित साहित्य वैश्विक बन गया है।

उनके स्वागत भाषण के पश्चात् मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया ने देश–विदेश से सम्मेलन में पधारे प्रतिनिधियों को अपने उद्‌बोधन से भाव विभोर कर भविष्य में और दृढ़ता व द्रुत गति से अपना कार्य करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट श्री रमेशचन्द्र रत्न और सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे पूर्व केन्द्रीय संघप्रिय गौतम ने बाबा साहब डा. अम्बेडकर और भगवान बुद्ध के समता, बन्धुता, करुणा और स्वतंत्रता के सन्देश को आगे बढ़ाने का आह्‌वान किया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय दलित साहित्य अकादमी के विभिन्न अवार्डों से सम्मानित किये जाने वाले महानुभाव हैं :–

डा. अम्बेडकर इन्टरनेशनल अवार्ड–2023

श्री रनेन्द्र बराली, मेम्बर,
प्रतिनिधि सभा, नेपाल

डा. अम्बेडकर एक्सीलेंसी सर्विस इन्टरनेशनल अवार्ड–2023

श्री प्रेम बहादुर सुब्बा
दलित व शोषितों के उत्थान में अग्रणीय दलित नेता, ललितपुर, नेपाल

डा. अम्बेडकर नेशनल अवार्ड–2023

दलित साहित्य की अभिवृद्धि के लिए

1. **डा. राम गोपाल भारतीय**
वरिष्ठ दलित साहित्यकार
मेरठ (उत्तर प्रदेश)
2. **श्री यदुनाथ सेऊटा**
ग्राम/डा.–सेऊटा
जिला–आजमगढ़
(उ. प्र.)
3. **श्री धर्मेन्द्र कुमार 'रविकुल'**
दलित साहित्यकार
अणु शक्ति, भाभा नगर,
कोटा (राजस्थान)

दलित पत्रकारिता की अभिवृद्धि के लिए

4. **श्री जरनैल सिंह रंगा**
सम्पादक–गजब हरियाणा
कुरूक्षेत्र (हरियाणा)

दलित समाज की अस्मिता व गौरव की अभिवृद्धि के लिए

5. **श्रीमती प्रिया सिंह मेघवाल**
अंतर्राष्ट्रीय बाडी बिल्डिंग प्रतियोगिता
थाईलैंड में गोल्ड मेडल विजेता
प्रथम महिला बाडी बिल्डर,
जयपुर (राजस्थान)
6. **चमार रेजिमेंट का महान दलित योद्धा–श्री चुन्नी लाल**
द्वितीय विश्व युद्ध में 'कोहिमा बेटल अवार्ड' से सम्मानित
भोजावास, महेन्द्रगढ़
(हरियाणा)

दलितोत्थान – समाज सेवा के लिए

7. **श्रीमती अमीनी पीटर**
दलित समाज सेविका
कोट्टायम (केरल प्रदेश)
8. **श्री धम्म ज्योति गजभिये**
एम.डी., लीडकाम,
चर्मोद्योग महामण्डल, महाराष्ट्र
9. **श्री चन्द्रसेन, समाज सेवक**
पूर्व ज्वांइट डायरेक्टर, पर्यटन
उत्तराखंड
10. **श्री खादिम कान्ता सिंह**
समाज सेवक
प्रदेशाध्यक्ष – बी.डी.एस.ए. मिजोरम

डा. अम्बेडकर विशिष्ट सेवा (डिस्टीगुइस्ट सर्विस) नेशनल अवार्ड–2023

1. **डॉ. करम सिंह,** एम.बी.बी.एस.
रिटायर्ड कर्नल
आर्मी मेडिकल कोर्प्स
साहित्य व सामाजिक कार्यकर्ता,
पंजाब
2. **डॉ. निर्दोशिता**
असिस्टेंट प्रोफेसर
मल्लीताल, नैनीताल
(उत्तराखंड)
3. **श्री मुटूम इबोचाओबा सिंह**
सुप्रसिद्ध स्कोलर–
आर्ट एंड कल्चर, मणिपुर
4. **डॉ. मोहन सिंह आदर्श**
सोशिल वर्कर
सीताबाड़ी, दमोह
(मध्य प्रदेश)
5. **डॉ. महादेव (ओले महादेव)**
सोशिल वर्कर
कोल्लेगला टाउन
चमराजा नगर (कर्नाटक)
6. **डॉ. वी. स्यामला**
सोशिल एक्टीविस्ट
असि. पुलिस सब–इंसपेक्टर
सिकन्दराबाद (तेलंगाना)
7. **चीफ को–कोरडिनेटर**
ईसी ब्लड डोनेशन आर्मी एन्टे चेप्पानम रेखताडाना सेना
एर्नाकुलम (केरल)
8. **श्री एमल पी. मोहन**
सोशिल वर्कर
यूल्लीयेरी (केरल)
9. **श्रीमती सान्ताकुमारी केसवन नैयर**
सोशिल वर्कर
कन्जूर, एर्नाकुलम (केरल)
10. **श्री गणपति बनगारी जोगलेकर**
सोशिल वर्कर
सरस्वती, अशोक नगर
(टी.एस.एस. रोड)
सिर्सी, उत्तर कन्नड़
(कर्नाटक)
11. **श्री वेंकटारामैयाह**
पूर्व ए.पी.एम.सी. डायरेक्टर,
दलित नेता
पट्टनडुर, बैंगलूरू
(कर्नाटक)
12. **डॉ. हेलेना नोंगभैथम**
मैनेजिंग डायरेक्टर/चेयरमैन
डा. हेलेना आई होस्पीटल एंड इन्स्टीच्यूट,
इम्फाल वेस्ट (मणिपुर)
13. **श्री बी. अजयकुमार**
सोशिल वर्कर
एन.जी. नगर, नेट्टायम,
त्रिवेन्द्रम (केरल)
14. **श्री सथ्मन मनीपूर**
सोशिल वर्कर
पलयाड वाडा, कोझिकोड
(केरल)
15. **श्री एम. मुनिअन जनाप्पा**
सोशिल वर्कर
विद्यापीठ मेन रोड,
फोर्ट केन गेरी, बंगलौर
(कर्नाटक)
16. **श्री चन्द्रहासा**
सोशिल वर्कर
गांधी नगर, मान्डया
(कर्नाटक)
17. **श्री राजू सुनार**
प्रेजीडेंट–दलित फॉर दलित कम्पैन, नेपाल
काठमांडु (नेपाल)
18. **श्रीमती धनकुमारी परियार**
सोशिल वर्कर
टाडोंग, डारा गांव, गंगटोक
(सिक्किम)
19. **श्री साजी अम्बाडी**
पन्थालक कोडे, त्रिवेन्ड्रम
(केरल)

डा. अम्बेडकर एक्सीलेंसी सर्विस नेशनल अवार्ड-2023

1. **डॉ. अंगूर कुमारी**
असिस्टेंट प्रोफसर
एम.डी.डी.एम. कालेज
मुजफ्फरपुर (बिहार)
2. **डॉ. शान्ताराम पांडुरंग करांडे**
प्रसिद्ध सोशिल वर्कर
मुम्बई (महाराष्ट्र)
3. **श्री किशन लाल कोली**
सोशिल वर्कर
भाभा नगर, रावतभाटा
कोटा (राज.)
4. **श्री बिधन चन्द्र राम**
अध्यापक *(सोशिल वर्कर)*
राहिका, मधुबनी (बिहार)
5. **श्रीमती अम्बिका कुमारी**
अध्यापिका *(सोशिल वर्कर)*
टेघरा, मधुबनी (बिहार)
6. **डॉ. अरूपा चक्रबोती**
गेस्ट लेक्चरार
महाराजा बीर बिक्रम कालेज
अगरतला (वेस्ट त्रिपुरा)
7. **श्री एन.के. गौतम**
सुपरिन्टेंडिंग इंजीनियर
सिंचाई विभाग, बरेली
(उ.प्र.)
8. **श्री के.एन. बैजू**
सोशिल वर्कर
कोलम (केरल)
9. **श्रीमती प्रीथी उन्नीकृष्णन**
सोशिल वर्कर
मयूर विहार, दिल्ली
10. **श्री सरवन सिंह चीमा**
सोशिल वर्कर
टेघोरिया, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल)
11. **डॉ. सौजन्या सरथ चन्द्रा**
मैनेजिंग डायरेक्टर–
सनोविस लाईफ साइंस
सदाशिव नगर, बंगलौर
(कर्नाटक)
12. **कलाश्री डॉ. बिनीता देवी**
सोशिल वर्कर
गोलपाड़ा टाऊन, बलाडमारी
(आसाम)
13. **श्री जयदीप गोयल**
सोशिल एक्टीविष्ट
कापसहेड़ा (दिल्ली)
14. **श्री चन्द्र शेखर**
मंडी सहायक, ए.पी.एम.सी.
ऋषिकेश (उत्तराखंड)
15. **श्रीमती दीपाली भगवती बरूहा**
इन्टरनेशनल एथलीट्स
शिवसागर (आसाम)
16. **श्रीमती जूना दत्ता**
सोशिल वर्कर एंड राईटर
जोरहाट (आसाम)
17. **श्री थेम्पाम मूड सहदेवन**
सोशिल एक्टीविस्ट
वेंजरामूड, त्रिवेन्द्रम (केरल)
18. **श्री राजू फिलिप**
सोशिल वर्कर
पेथानमथिट्टा (केरल)
19. **श्री अबीन राज परक्कल**
सोशिल एक्टीविस्ट
कोक्कल्लूर, कोझीक्कोड
(केरल)
20. **श्री ईयूगिल समूईल**
सोशिल एक्टीविस्ट
कोझीककोड (केरल)
21. **श्री पी. चन्नास्वामी**
सुपुत्र श्री पलानी
सोशिल वर्कर
प्राईम एवेन्यु, कवुनडम,
पलायन, कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
22. **प्रो. (डॉ.) जितेन्द्र रजक**
प्रिंसिपल–बी.एस. कॉलेज
दानापुर, पटना (बिहार)
23. **डा. सिन्टो जोसेफ**
पिनक्काअट्ट परामबिल,
डा.–ईराट्टायार, कलकून्थल
ईडूकी (केरल)
24. **डा. अंजलि कुमारी**
असिस्टेंट प्रोफेसर
बी.एन.एम.वी. कालेज,
साहूगढ़, मधेपुरा (बिहार)
25. **श्री डी. श्रीनिवासप्पा**
एकाउन्ट आफिसर इंचार्ज
मेजर वर्क्स डिवीजन
(के.पी.टी.सी),
कनूर, मंगलौर (कर्नाटक)
26. **श्री डी. श्रीधर, सोशिल वर्कर**
फर्स्ट डिवीजनल असिस्टेंट,
आर.टी.ओ. आफिस,
होसपेट, विजय नगर
(कर्नाटक)
27. **गुरु मुकुल अहमद**
पंचाली, कुमार पट्टी, डिब्रूगढ़,
(आसाम)
28. **श्री राजेन्द्र चौधरी**
सोशिल वर्कर
धमबोजी, नेपालगंज (नेपाल)
29. **श्री हेलीम उद्दीन बरभुईया**
सोशिल वर्कर
बोरखोला, कच्छार (आसाम)
30. **श्री सुभाष दास**
चेन्तराप्पीन्नी, त्रिशूर (केरल)
31. **श्री नरवूला मनोहर नायडु**
हेड मास्टर, जि.पी. हाई स्कूल,
कन्ड्रीमा, पलासमुन्दरम, चित्तूर
(आन्ध प्रदेश)

डा. अम्बेडकर सेवाश्री नेशनल अवार्ड-2023

1. **श्री प्रदीप कुमार परमार**
सोशिल वर्कर
विस नगर, मेहसाना (गुजरात)
2. **डॉ. मनीष कुमार**
सोशिल एक्टीविस्ट
जानकी नगर, राम नगर, पूर्णिया
(बिहार)
3. **श्री हाफीज फोकरूल इस्लाम**
सोशिल वर्कर
राउथ ग्राम, करीमगंज (आसाम)
4. **श्री अबुल हुस्सैन**
वाईस चेयरमैन
बोरमेला आंचलिक पंचायत
बोरखोला, कच्छार (आसाम)
5. **डॉ. मो. सलाऊद्दीन**
प्रिंसिपल–इस्लामिक उर्दू हाई
स्कूल, फुलवारी शरीफ, पटना
(बिहार)
6. **डॉ. अजेय वर्मा**
असिस्टेंट प्रोफेसर
लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल
विलेज, बिस्टूपुर, जमशेदपुर
(झारखंड)
7. **डॉ. मोजफ्फर इस्लाम**
असिस्टेंट प्रोफेसर एजुकेशन
प्रिंसिपल इंचार्ज–कामरान मन्नू
माडल स्कूल, दरभंगा (बिहार)
8. **श्री भोमाराम बोसे**
सोशिल वर्कर
एराबा यूडीओ, बलोतरा
(राजस्थान)
9. **श्री समसूल इस्लाम बरभूईया**
सोशिल वर्कर
धनेहरी, सोनलमुख, कच्छार
(आसाम)
10. **डॉ. प्रदीप शर्मा**
सोशिल वर्कर
गुवाहटी, कामरूप (आसाम)
11. **श्रीमती जेस्सी पीटर**
सोशिल एक्टीविस्ट
पुथेन चन्था, कोट्टायम
(केरल)
12. **श्री अंशुमाली मुकुल सिंह**
सोशिल वर्कर
सुपरटेक ईको विलेज
ग्रेटर नोयडा वेस्ट (उ.प्र)
13. **श्री ब्रजेन रे**
सोशिल वर्कर
डलाई गांव माजपाड़ा
बोंगईगांव (आसाम)
14. **श्रीमती सजीरा बेगम**
सोशिल वर्कर
लखटोकीया, गुवाहाटी
कामरूप (आसाम)
15. **श्री मनुभाई नारायणभाई सोलंकी**
सोशिल वर्कर
राखियाल, अहमदाबाद (गुजरात)

16. **श्री जगदीश चन्द्र तायल**
(रिटायर्ड प्रिंसिपल)
सोशिल वर्कर
चम्बल देपालपुर, इन्दौर
(मध्य प्रदेश)

17. **श्री संजय कुमार मेघवाल**
नर्सिंग आफिसर,
राजकीय अस्पताल
द्वारा श्री बजरंग लाल मेघवाल
गायत्री नगर, अटरू, जिला–बारां
(राज.)

18. **श्री ए.एस. वैरामूद**
सोशिल वर्कर
म.नं.सी.एल/01 बेसकॉम
क्वार्टर्स, एम.जी. रोड
चन्नापाटन, जिला रामनगरा,
(कर्नाटक)

19. **श्री राजकुमार गजमेर**
सोशिल वर्कर
नया बाजार, साऊथ सिक्किम
(सिक्किम प्रदेश)

20. **श्रीमती जया रानी रोय**
गोरीपुर, धुबरी
(आसाम)

21. **श्री विजयकुमार वाई. कट्टीमनी**
सोशिल वर्कर
जे.पी. विनगर, बंगलौर
(कर्नाटक)

22. **श्री पेल्लाप्पा बसवराज**
सोशिल वर्कर
कग्गलीपुरा, बंगलौर
(कर्नाटक)

23. **श्री पंचम गुरूंग**
सीनियर एक्टीविस्ट–यूनीसको
नेपालगंज, बांके (नेपाल)

24. **श्री राम बहादुर मल्ला**
कम्युनिटी हेल्थ प्रोग्राम
को–ओरडीनेटर,
नेपाल मेडिकल कालेज,
कोहलपुर, बांके, (नेपाल)

25. **श्री देवीदास संभाजी ढेपे**
कलामनूरी, हिंगोली
(महाराष्ट्र)

26. **श्रीमती के. कलिथासम्मल,**
असिस्टेंट प्रोफेसर
यूआलिकावल, मल्लेस्वरम
बंगलौर (कर्नाटक)

27. **श्री सैय्यद जमालुद्दीन सहाबुद्दीन**
सेक्रेट्री
मानियोरिटी सेल, प्रदेश कांग्रेस
कमेटी, गुजरात
मुगलीसरा, सूरत (गुजरात)

28. **श्री वी. पलानी सामी**
प्रेजीडेंट–कोडांगीपलायम ग्राम
पंचायत, तिरुप्पुर (तमिलनाडु)

डा. अम्बेडकर साहित्यश्री नेशनल अवार्ड–2023

1. **डॉ. मोहन लाल सोनल मनहंस**
दलित साहित्यकार
फटापुरा, जिला–पाली
(राजस्थान)

2. **श्रीमती महेश पी.**
साहित्यकार–लेखक
एझीकोडे, कन्नूर (केरल)

3. **श्रीमती दीपिका एन. चावड़ा (ताप्सी)**
दलित साहित्यकार
कृष्णा नगर, भाव नगर (गुजरात)

4. **श्रीमती बीना कुमारी देवी**
रिटायर्ड हेड–टीचर
टेटेलिया, गांधी नगर,
जिला–कामरूप
(आसाम)

5. **श्री जयनन्दन जी.**
एमबिली, सोभी थ्येटरे लाल,
करूमनूर, डा.–परसाला,
त्रिवेन्द्रम (केरल)

6. **श्री वट्टाप्यारा रवि**
चैथराम, डा.–वट्टाप्यारा,
त्रिवेन्द्रम (केरल)

7. **डा. वी.एन. सन्थोष कुमार**
एकम, मन्नारकुन्नू,
डा. मरीकुन्नू, कोझीककोडू
(केरल)

8. **श्री निगम सुन्डास,**
पत्रकार
मिडिया पर्सन–गुड न्यूज एंड
आशिस मैगजीन,
ललितपुर (नेपाल)

9. **श्री प्रदीप टी. पलक्काथ**
साहित्यकार
कोनाथू कुन्नू, त्रिसूर
(केरल)

10. **प्रो. (डा.) एस. कलाईपुनीथन**
पुरासवक्कम, चेन्नई
(तमिलनाडु)

11. **डा. एस. नेहरू**
प्रो. एंड हेड–डिपार्टमेंट आफ
इकानोमिकस
गांधीग्राम रूरल इन्स्टीच्यूट
(यूनिवर्सिटी)
पलानीयप्पा नगर, डिन्डूगल
(तमिलनाडु)

डा. अम्बेडकर कलाश्री नेशनल अवार्ड–2023

1. **मिस पूनोम देव**
सिंगर–म्युजिक टीचर
कृष्णापुर, सिल्चर
जिला–कच्छार (आसाम)

2. **श्री के.पी. जोशी,**
आर्टिस्ट
मन्नम, एर्नाकुलम (केरल)

3. **श्री सुजीथ पनीक्कर**
आर्टिस्ट
मूलाड, नाडुवन्नूर,
कोझीकोडू (केरल)

4. **मिस रन्जु मोनी डेका**
आर्टिस्ट
कराईबाड़ी, चपनिया
जिला–कामरूप (आसाम)

5. **श्रीमती सीता देवी**
आर्टिस्ट
मलायाट्टूर, एर्नाकुलम
(केरल)

6. **श्रीमती रूपज्योति सेकिया दत्ता**
आर्टिस्ट
सुकफा नगर, धेमाजी
(आसाम)

7. **श्री कृष्ण नारायण दत्ता बरूहा**
आर्टिस्ट
गनी अपार्टमेंट, डिबरूगढ़
(आसाम)

8. **श्रीमती सीजी राजन,** आर्टिस्ट
राजभवनम्,
डा.–वेल्लारीककुल्डू,
केसरागोड (केरल)

9. **श्रीमती रिक्ता डे**
असिस्टेंट म्युजिक टीचर
सिमलु गुरी हाई स्कूल, मिलुगुरी,
जिला–सिवसागर
(आसाम)

10. **श्री प्रेम बहादुर कारकी,**
चेयरमैन
हाईजेनिक वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन
(डब्ल्यूएच.ओ.)
चन्द्रागीरी, काठमांडु (नेपाल)

11. **श्री कुमारी अवन्धिका मनोज, ई.सी.**
ई.सी. भवन, ईरिनावू (केरल)

श्री लाल सिंह डिल पंजाबी लिटरेचर नेशनल अवार्ड–2023

श्री बलबीर माधोपुरी
डायरेक्टर–पंजाबी भवन
पंजाबी साहित्य सभा
10, राऊज एवेन्यु, नई दिल्ली

महर्षि वाल्मीकि साहित्यश्री नेशनल अवार्ड–2023

श्री दिनेश एच. अमीन (खामोश)
गवर्नमेंट कालोनी, वस्त्रपुर
अहमदाबाद (गुजरात)

भगवान बुद्धा नेशनल अवार्ड–2023

1. **डॉ. चेतना कुमारी**
पुष्पा एनक्लेव, रामकृष्णा नगर
पटना (बिहार)

आर. एन. आई. नं. 40611/62
रजि. G-3/DL(N)/090/2018-2020

2. **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**
जनरल मैनेजर, धोरी
बेर्मो (झारखंड)

श्री राकेश सोनी मेमोरियल गुरू घासीदास नेशनल अवार्ड-2023

प्रो. (डॉ.) कमल प्रसाद बौद्ध
डीन, फेकल्टी ऑफ एजुकेशन
पाटलीपुत्र यूनीवर्सिटी
पटना (बिहार)

बाबू परमानन्द मेमोरियल नेशनल अवार्ड-2023

डॉ. शिवताज सिंह
म.नं. 475, हूडा, फैज–1,
सेक्टर–1, नारनौल (हरियाणा)

वीरांगना त्रिलोचन सुमनाक्षर मेमोरियल नेशनल अवार्ड-2023

1. **श्रीमती श्वेता जैन**
बी–221, दूसरी मंजिल,
डेरावाल नगर, माडल टाऊन
(दिल्ली)
2. **श्रीमती बन्दिता पुजारी**
सोशिल वर्कर
राजीव निवास,
नार्थ गुहा लेन
सम्बलपुर (उड़ीसा)

स्वामी विवेकानन्द नेशनल अवार्ड-2023

1. **डॉ. आर.सी.पी. सिसोदिया**
पूर्व सी.एम.एच.ओ.–
गार्डी मेडिकल कालेज, उज्जैन
(मध्य प्रदेश)
2. **श्री संजीव कुमार**
आई.एफ.एस.
एडिशनल प्रिन्सिपल चीफ कन्जरवेटर आफ फोरेस्ट, कम्पा
(झारखंड)

महानायक बिरसा मुंडा नेशनल अवार्ड-2023

1. **डॉ. आलोक कुमार**
असिस्टेंट प्रोफेसर–
डिपार्टमेंट ऑफ एन्थ्रोपोलोजी,
सिमडेगा कालेज,
रांची यूनीवर्सिटी, रांची
(झारखंड)
2. **विशुद्ध नन्दा मेहातो**
टी–गार्डन आदिवासी नेता
रंगपुर, सिल्चर (कच्छार)
आसाम

छत्रपति शिवाजी महाराज नेशनल अवार्ड-2023

श्री दीपक पांडे
सोशिल वर्कर
दुर्गापली, पो.–रेमेड,
जिला–सम्बलपुर (उड़ीसा)

वीरांगना झलकारी बाई नेशनल अवार्ड-2023

श्रीमती रेखा प्रधान
सोशिल वर्कर
प्रिन्सिपल
बिनका, जिला–सुबरनपुर
(उड़ीसा)

श्री गुरू रविदास नेशनल अवार्ड-2023

श्री एम.डी. नवाब
सोशिल वर्कर
पेंशन पाड़ा, सम्बलपुर
(उड़ीसा)

बाबू जगजीवन राम समता नेशनल अवार्ड-2023

श्री वाई. महेन्द्र कुमार सिंह
सोशिल वर्कर
वागेजिंग, थोबाल
(मणिपुर)

महात्मा जोतिबा फुले नेशनल अवार्ड-2023

श्री लोकेश जी
कराकुची, हनगेरे,
विरथाहल्ली,
शिवभोग्गा
(कर्नाटक)

लोह पुरुष वल्लभ भाई पटेल नेशनल अवार्ड-2023

श्री अश्विनी मेहेर
बुर्ला, सम्बलपुर (उड़ीसा)

सम्मेलन में सर्वसम्मति से पारित किए गये प्रस्ताव–

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को सरकारी महकमों में 22½ प्रतिशत आरक्षण तो है, पर उन्हें पदोन्नति में आरक्षण नहीं दिया जाता। अतः यह सम्मेलन सरकार से मांग करता है कि उन्हें पदोन्नति में आरक्षण दिये जाने का प्रावधान संविधान में संशोधन करके करायें।

2. अभी तक न्यायपालिका यानि नीची अदालतों से सुप्रीम कोर्ट तक जजों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का आरक्षण कोटा लागू नहीं है। ऐसी स्थिति में दलितों का 'जज' बनने में भारी उपेक्षा बरती जाती है। न्यायपालिका में सवर्ण जजों का वर्चस्व होने के कारण दलितों को पूर्ण न्याय नहीं मिल पाता। अतः न्यायपालिका के सभी पदों पर दलितों के लिए संविधान प्रदत्त 'आरक्षण कोटा' का प्रावधान लागू किया जाये।

3. स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत सरकार अस्पृश्यता निवारण कार्यक्रम चलाये और छुआछूत, भेदभाव, ऊंचनीच, जात–पांत बरतने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करे।

4. अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति अत्याचार निरोधक कानून लागू करने में जो ढिलाई पुलिस थानों में बरती जाती है उस पर सख्ती से कार्रवाई की जाए ताकि दलितों पर अत्याचार रुक सकें।

5. आज शिक्षा, चिकित्सा और न्याय बहुत महंगा हो गया है। ऐसी हालत में दलित का समाज में समान स्तर पर लाना असम्भव है। अतः दलितों के उत्थान को ध्यान में रखकर सरकार उन्हें यह सब मुफ्त उपलब्ध कराये और इस विषय में तुरन्त कानून बनाये।

6. सरकारी व निजी क्षेत्रों में दिये जाने वाले ठेकों, नौकरियों, पेट्रोल पम्पों, गैस एजेन्सियों में दलितों का उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण कोटा निर्धारित किया जाए और ये सब उन्हें सुगमता से उपलब्ध कराये जाएं।

7. सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की नौकरियों में आरक्षित कोटे को पूर्ण रूप से लागू करे। गत वर्षों के जो लाखों आरक्षित पद खाली पड़े हैं, उनको विशेष भर्ती अभियान के तहत भरती करके पूरा करे।

8. सरकार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग व पिछड़ा वर्ग आयोग को न्यायिक अधिकार देकर सशक्त बनाये ताकि दलित, शोषित, उत्पीड़ित लोगों को समय सीमा में न्याय मिल सके।

9. सरकार दलित मीडिया सेंटर स्थापन, समाचार पत्र व टी.वी. चैनल संचालित करने हेतु संचार लाइसेंस

की विशेष सुविधा देकर दलित मीडिया कर्मियों व दलित साहित्यकारों को प्रोत्साहित करे।

10. सभी राज्यों में समता के प्रेरक बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर व बाबू जगजीवन राम के नाम पर विश्व–विद्यालय खोले जाएं, जहां 80 फीसदी सीटें दलित छात्रों के लिए आरक्षित की जाएं।

11. सभी राज्यों के शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रमों में सन्त शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी, सद्गुरु कबीरदास जी व गुरु घासीदास जी की जीवनी को शामिल किया जाए।

12. देश में लाखों एकड़ खाली व बेकार पड़ी जमीन सरकार भूमिहीन दलित परिवारों में वितरित कराये।

13. भारत सरकार ने 1978 से पंचवर्षीय योजनाओं में 'कम्पोनेन्ट प्लान' के अन्तर्गत दलितों की आबादी के हिसाब से जो धनराशि आवंटित की थी, वह कभी भी उन पर पूरी तरह से खर्च नहीं की गई। अतः अब तक जमा पड़ी वह धनराशि विशेष कार्यक्रम बनाकर दलितों के कल्याण व विकास पर खर्च की जाए।

14. सरकार दलित साहित्य को स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में लगवाये और सरकारी पुस्तकालयों व प्रतिष्ठानों के लिए दलित साहित्य की सीधी खरीद कर दलित साहित्यकारों को प्रोत्साहित करे।

15. देश की अन्य साहित्यिक व सांस्कृतिक अकादमियों की तरह सरकार भारतीय दलित साहित्य अकादमी को एक मुक्त राशि अनुदान के रूप में दे ताकि अकादमी अपनी विभिन्न योजनाओं को साकार रूप दे सके।

16. सरकार राज्यसभा, राज्यपाल, विदेश दूतावासों के पदों पर दलित साहित्यकारों को मनोनीत करे और प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस व पन्द्रह अगस्त के समारोहों में उन्हें 'मानद उपाधि' से सम्मानित करके अलंकृत करें।

17. भारतीय दलित साहित्य अकादमी की सभी राज्य शाखायें प्रतिवर्ष **6 अक्तूबर को 'दलित साहित्य दिवस'** समारोह का आयोजन करेंगी और इस अवसर पर दलित साहित्य के उत्थान के लिए कार्य कर रहे दलित साहित्यकारों, लेखकों, कलाकारों, पत्रकारों को सम्मानित करके प्रोत्साहित करेगी।

18. भारतीय दलित साहित्य अकादमी को उसके राष्ट्रीय सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधियों के लिए रेल मंत्रालय रेलवे यात्रा टिकट पर 60 फीसदी कन्शेसन की सुविधा देती आई है। रेलवे घाटे के नाम पर 2012 के बाद से यह सुविधा रोक दी गई। रेल मंत्रालय रेलवे टिकट पर दी जाने वाली रेलवे कन्शेसन सुविधा को दुबारा चालू करें जिससे दलित–शोषित व वंचित समाज के साहित्यकार, कलाकार व समाज–सेवक अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले सकें और सरकारी योजनाओं में अपनी सेवायें दे सकें।

19. भारतीय दलित साहित्य अकादमी अपने राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिवर्ष साहित्यकारों, कलाकारों, पत्रकारों, इतिहासकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों को उनके सेवा कार्यों के लिए डा. अम्बेडकर पुरस्कार, डा. अम्बेडकर विशिष्ठ सेवा व डा. अम्बेडकर उत्कृष्ट सेवा अवार्ड, साहित्यश्री, कलाश्री व सेवाश्री अवार्ड व अम्बेडकर फेलोशिप राष्ट्रीय अवार्ड देकर राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें सम्मानित करती है जो अपने–अपने सेवा क्षेत्रों में और तेज गति से राष्ट्र सेवा कार्यों में अपना योगदान करते हैं। अकादमी केन्द्रीय व राज्य सरकारों से मांग करती है कि वे अकादमी के ऐसे नेशनल अवार्डियों को सरकारी नौकरी के चयन में और उनकी सरकारी नौकरी में पदोन्नति में प्राथमिकता प्रदान करें।

20. देश में 1931 में अंग्रेजी सरकार ने जाति जनगणना पहली बार कराई थी, उसके बाद बार–बार देश के सभी राज्यों में जनगणना कराने की मांग सरकार से की जाती रही, पर किन्हीं कारणों से इस मांग को अनसुना किया जाता रहा। जाति जनगणना नहीं किये जाने के कारण दलित–शोषित, वंचित व पिछड़ी जातियों के लोगों को उनके वास्तविक अधिकारों से वंचित किया जाता रहा। अब जब बिहार सरकार ने जाति जनगणना कराकर जाति संख्या के आधार पर उनके अधिकार दिये जाने की घोषणा की है। उसी आधार पर अकादमी सरकार से देश में जाति जनगणना कराने की मांग करती है ताकि देश में सभी जातियों को उनकी संख्या के आधार पर उनका 'हक' मिल सके।

ये सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये। इस अवसर पर दलित साहित्यकारों ने आत्म सम्मान के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। डॉ. सुमनाक्षर ने पारित प्रस्तावों को उचित कार्रवाई के लिए सम्बन्धित विभागों को भेजने की घोषणा की।

इस द्विदिवसीय सम्मेलन के समापन की घोषणा करते हुए अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सोहनपाल सुमनाक्षर ने मुख्य अतिथियों का धन्यवाद करते हुए निम्नलिखित अकादमी के पदाधिकारियों का सम्मेलन को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया–

प्रो. स्वामी आत्माराम, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, प्रो. जयपाल सिंह, प्रदेशाध्यक्ष उत्तराखंड, डा. राजूराम, प्रदेशाध्यक्ष झारखंड, जागाराम शास्त्री, प्रदेशाध्यक्ष बिहार, टी. बालाकृष्णन, प्रदेशाध्यक्ष केरल, जी. धनसेकर, प्रदेशाध्यक्ष आंध्र प्रदेश, डा. जितेन्द्र 'मनु', प्रदेशाध्यक्ष तेलगांना, डा. सी.पी. देसी, प्रदेशाध्यक्ष तमिलनाडु, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चेलवा राजू कर्नाटक, श्री जे.एम. जडेजा, प्रदेशाध्यक्ष गुजरात, श्री टीकम बन्धु, प्रदेशाध्यक्ष हिमाचल प्रदेश, श्री जी.आर. बन्जारे 'ज्वाला', प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़, श्रीमती सुदेश कुमारी, प्रदेशाध्यक्ष जम्मू कश्मीर, एडवोकेट आनन्द गवली, प्रदेशाध्यक्ष महाराष्ट्र, श्री पी.सी. बैरवा, प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश, डा. लालती देवी, प्रदेशाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, डा. गुरदयाल सिंह मोरथला, प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा, श्री निहाल सिंह, प्रदेशाध्यक्ष उड़ीसा प्रदेश, श्री तीरथ तोंगड़िया, प्रदेशाध्यक्ष पंजाब, डा. राजमल सिंह 'राज', प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली।

श्री मोनी मोहन विस्वास, प्रदेशाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, प. बंगाल, डा. महेन्द्र वर्मा, महामंत्री, भा.द.सा. अकादमी, तमिलनाडु, श्री डी.के. रूचाल, प्रदेशाध्यक्ष सिक्किम प्रदेश, श्री आर.के. गुणचन्द्रा, प्रदेशाध्यक्ष मणिपुर, श्री सयान साहा, प्रदेशाध्यक्ष त्रिपुरा, मा. सुभाष कानाडे, नेशनल कोरडिनेटर, भा.द.सा. अकादमी, श्री एच.एम. कुंदर्गी, प्रदेशाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, कर्नाटक, श्री जरनैल सिंह रंगा, महामंत्री, भा.द.सा. अकादमी, हरियाणा, श्री रमेशचन्द्र चांगेसिया, संगठन मंत्री, भा.द.सा. अकादमी, मध्य प्रदेश, श्री ब्रिजलाल रविदास, प्रदेशाध्यक्ष आसाम प्रदेश, श्री सुनील भीमराव बागुल, राष्ट्रीय मंत्री, भा.द.सा. अकादमी, मुम्बई (महाराष्ट्र), श्री बाबूलाल निर्मल, जिलाध्यक्ष, भा.द.सा. अकादमी, बारां (राजस्थान)।

राष्ट्रगान 'जन मन गण' के साथ सम्मेलन सफलता के साथ सम्पन्न हो गया। अकादमी के राष्ट्रीय सचिव डा. सुरेन्द्र कुमार सेलवाल एवं श्री तीरथ तोंगडिया ने सफल मंच संचालन किया। •

स्वामी, सम्पादक/ प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर द्वारा वन्दना आफसेट प्रिन्टर्स, A-9 सराय पीपलथला एक्सटेंशन, दिल्ली-33 में मुद्रित तथा रजि. कार्यालय : 233 टैगोर पार्क, माडल टाउन, दिल्ली-9 से प्रकाशित। ❑ सह सम्पादक - जय सुमनाक्षर, फोन : 27421449, मो. 9810278936 **Email-sumanakshar@ymail.com**

नोट : हिमायती में प्रकाशित रचनाओं के लिए सम्पादक की सहमति जरूरी नहीं। हिमायती से सम्बन्धित किसी भी कानूनी कार्रवाई का क्षेत्र दिल्ली न्यायालय तक ही सीमित है।

सम्पादकीय कार्यालय : बी 3/9, दूसरी मंजिल, माडल टाउन-1, दिल्ली-110009